महत्वपूर्ण एवं खास

राइस मिल में हादसा : 2 मजदूर की मौत, 6 घायल, मचा अफरा-तफरी

कोरबा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिला में शुक्रवार की शाम आंधी -बारिश के बीच कटघोरा थाना क्षेत्र में जानलेवा हादसा हो गया। ग्राम लखनपुर बरभाठा में न्यू वैष्णवी राइस मिल के निर्माणाधीन भवन की दीवार ढह गई। हादसे में आठ मजदूर चपेट में आ गए। दो की मौत हो जाने की खबर है। जानकारी का अनुसार हवा के तेज झोके से निर्माणाधीन दीवार ढहने से हुए इस हादसे में मलबे में दबकर 2 मजदूरों की मौत हो गई है जबकि करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। 1 मौत की अपुष्ट खबर है किंतु 2 की पुष्टि हुई है। मृतकों में एक महिला व एक पुरुष है। हादसा होते ही यहां मौजूद कर्मचारियों व आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामवासी एकत्र हो गए हैं। पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी पहुंच रहे हैं। पुलिस व स्थानीय लोगों के द्वारा राहत एवं बचाव कार्य करते हुए मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया। दो मजदूरों की मौके पर मौत हुई है। कटघोरा थाना प्रभारी धर्म नारायण तिवारी ने बताया कि घाट की सूचना पर मौके पर पहुंचे हुए हैं और आगे की कार्यवाही जारी है।

बारिश के साथ ओलावृष्टि, पहाड़ी व मैदानी इलाकों में जन जीवन अस्त-व्यस्त

कोरबा (आरएनएस)। मौसम विभाग की चेतावनी के बीच कोरबा जिले के ग्रामीण और पहाड़ी अंचलों में शुक्रवार को जमकर बारिश हुई। कई स्थानों में ओले भी गिरे जो कौतूहल का विषय रहे। जिले के ग्राम लेमरू, सुर्वे, बडग़ांव, श्यांग, चाकामार, भैंसमा, सहित कटघोरा, पोड़ी, चैतुरगढ़, पहाड़ जमड़ी, सपलवा आदि गांवों में तेज से लेकर माध्यम बारिश हुई। जिले के ग्रामीण अंचलों में तेज हवा चलने के साथ जमकर बारिश हुई। अचानक हुई बारिश और ओले के गिरने से बाइक सवार और राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा किसान वर्ग को चिंता सताने लगी है जो इस मौसम की फसल ले रहे हैं। बारिश और ओलावृष्टि के चलते लोगों के जनजीवन पर प्रभाव तो पड़ेगा ही, इसके अलावा फसल और सब्जी की पैदावार का भारी नुकसान होगा। दूसरी तरफ शहरी क्षेत्र में मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिला।कभी धूप तो कभी बादल नजर आए। बारिश की वजह से मौसम में ठंडक घुली हुई है और तापमान में गिरावट दर्ज हुई है।

पटवारी से राजस्व निरीक्षक पदोन्नति परीक्षा में गड़बड़ी, ईओडब्ल्यू/एसीबी करेगी मामले की जांच

रायपुर (आरएनएस)। पटवारी से राजस्व निरीक्षक के पद पर पदोन्नति के लिए भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी का बड़ा खुलासा हुआ है। शुरूआती जांच में गड़बड़ी मिलने पर कमेटी ने इस पूरे मामले की ईओडब्ल्यू-एसीबी से जांच की सिफारिश की है। पटवारी से राजस्व निरीक्षक के 90 रिक्त पदों पर पदोन्नति के लिए विभागीय भर्ती परीक्षा हुई थी। भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत हुई थी। सीएम सचिवालय तक शिकायत प्रकरण पहुंचने के बाद जांच कराई गई। यह बात भी सामने आई है कि चयनित 22 अभ्यर्थियों को एक जगह बिठाकर परीक्षा ली गई और फिर चयन किया गया। हर स्तर पर गड़बडिय़ां पाई गईं। शिकायत आने के बाद 23 अगस्त 2024 को 5 सदस्यीय जांच कमेटी बनाई गई थी। इस जांच कमेटी में विशेष सचिव खाद्य केडी कुंजाम, उपसचिव डॉ. फरिहाआलम सिद्दीकी उपसचिव के अलावा अजय कुमार त्रिपाठी, अंशिका ऋषि पाण्डेय और राकेश साहू थे। कमेटी से 15 दिनों के भीतर जांच प्रतिवेदन मांगा गया था। जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी की पुष्टि हुई है, और कमेटी ने प्रकरण की विस्तृत जांच की जरूरत बताई है। सामान्य प्रशासन विभाग से इस पूरे मामले की मुख्य तकनीकी परीक्षक, और ईओडब्ल्यू-एसीबी से जांच कराने की सिफारिश की गई है। सिफारिश में कहा गया है कि इसमें तकनीकी विशेषज्ञों से जांच कराने की जरूरत बताई गई है।

अब नहीं बच पाएगा मोस्टवांटेड नक्सली हिडमा, 125 गांवों की मैपिंग, हर इलाके की सटीक जानकारी

रायपुर | आरएनएस

भारत में नक्सलवाद हमेशा से एक गंभीर चुनौती बना हुआ है, और इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार ने कई रणनीतियां अपनाई हैं. इसी कड़ी में गुरुवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की, जिसमें 30 नक्सली मारे गए और सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए. इस ऑपरेशन में एक जवान ने भी अपनी जान गंवाई.

125 गांवों की मैपिंग और हिडमा की तलाश

छत्तीसगढ़ और इसके आसपास के इलाकों में नक्सलियों के खिलाफ चल रही इस जंग में अब तक 77 नक्सलियों का खात्मा हो चुका है. अब सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है नक्सली कमांडर हिडमा की तलाश करना, जो कि इस इलाके का सबसे खतरनाक और प्रभावशाली नक्सली नेता माना जाता है. हिडमा की खोज के लिए, सुरक्षा बलों ने 125 से ज्यादा गांवों की टेक्निकल मैपिंग शुरू कर दी है, ताकि हर इलाके और रास्ते की सटीक जानकारी मिल सके. इन गांवों की मैपिंग में थर्मल इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, जिससे सुरक्षाबलों को छिपे हुए नक्सलियों की पहचान करने में मदद मिल रही है.

एनटीआरओ की मदद से हो रही है कार्रवाई

सुरक्षाबलों को इस मिशन में हज्जक्रह की मदद मिल रही है. हज्जक्रह इस इलाके की मैपिंग में सहयोग दे रहा

है. इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि अब सुरक्षाबल जब भी ऑपरेशन पर जाएंगे, उन्हें सभी रास्तों और इलाके की सटीक जानकारी मिलेगी. इससे नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा.

नक्सलमुक्त भारत का सपना होगा साकार

इस सफलता पर गृह मंत्री अमित शाह ने खुशी जताते हुए भरोसा दिलाया कि अगले साल 31 मार्च तक भारत को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाएगा. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, नक्सलमुक्त भारत अभियान के तहत हमारे सुरक्षाबलों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है. मोदी सरकार नक्सलियों के खिलाफ कठोर रवैया अपना रही है और समर्पण करने के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति अपना रही है. शाह ने आगे कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ यह कड़ी लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक यह पूरी तरह से समाप्त नहीं हो जाता.

क्यों है यह कार्रवाई अहम?

यह कार्रवाई दिखाती है कि सरकार नक्सलियों के खिलाफ अपनी रणनीति में कितनी तेजी से और सटीकता से काम कर रही है. इन ऑपरेशनों से नक्सलियों की ताकत तो कम हो ही रही है, साथ ही सुरक्षा बलों को भी अधिक ठोस और सटीक जानकारी मिल रही है, जिससे अगले ऑपरेशनों को और अधिक प्रभावी तरीके से अंजाम दिया जा सकेगा.

अब आगे क्या?

गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, अगले साल मार्च तक भारत नक्सलमुक्त हो जाएगा. यह बहुत बड़ा और चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है, लेकिन इस तरह की रणनीतिक सफलता से यह सपना सच हो सकता है. हालांकि, यह सिर्फ सुरक्षाबलों का काम नहीं है, बल्कि सरकार के अन्य विभागों, जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास, को भी इस दिशा में काम करना होगा ताकि नक्सल प्रभावित इलाकों में लोगों की जिंदगी बेहतर हो सके और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जा सके.

नक्सलवाद से जंग

नक्सलवाद से निपटने का यह संघर्ष किसी साधारण लड़ाई से कहीं बढ़कर है. यह एक जंग है जिसमें सिर्फ सुरक्षा बल ही नहीं, बल्कि पूरी सरकार, समाज और वहां रहने वाले लोग भी योगदान दे रहे हैं. आने वाले समय में और ऑपरेशन होंगे, और उम्मीद की जा रही है कि छत्तीसगढ़ और अन्य प्रभावित राज्यों में नक्सलवाद की जड़ें जल्द ही खत्म हो जाएंगी. नक्सलियों के खिलाफ यह लड़ाई लंबे समय से चल रही है, और हर एक सफलता इस बात का प्रमाण है कि देश इस मुद्दे को सुलझाने के लिए ठान चुका है.

छत्तीसगढ़ में जल्द होगा प्रशासनिक फेरबदल, बदलेंगे जाएंगे कई जिलों के कलेक्टर और एसपी, सचिवों के विभागों में भी होगा बदलाव

रायपुर | आरएनएस

छत्तीसगढ़ की नौकरशाही में एक बडा प्रशासनिक फेरबदल जल्द होने की संभावना है। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो विधानसभा का बजट सत्र 21 मार्च को समाप्त होने के बाद किसी भी दिन राज्य के कई जिलों के कलेक्टर और एसपी बदले जा सकते हैं। इसके साथ ही मंत्रालय में पदस्थ सचिव स्तर के अधिकारियों के विभागों में फेरबदल संभावित है। छत्तीसगढ़ में होने वाले प्रशासनिक फेरबदल में इस बार सरकार का फोकस जिलों में प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों की पदस्थापना में बदलाव किया जाना है।

सूत्रों के मुताबिक विधानसभा का बजट सत्र पूरा होने के साथ ही राज्य में नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव हो चुके हैं। अब आने वाले लंबे समय तक राज्य में कोई बड़ा चुनाव नहीं होना है। इसके साथ ही सरकार अब जिलों में व्यवस्था को मजबूत करने के इरादे के साथ बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। खास बात ये है कि नगरीय निकायों के चुनावों में राज्य की सत्ताधारी भाजपा प्रदेश के दस निगमों में जीत हासिल कर चुकी है।

कलेक्टर-एसपी के परफार्मेंस पर नजर- गैरदलीय आधार पर हुए पंचायतों के चुनाव में भी भाजपा को बड़ी सफलता मिली है। राज्य के अधिकांश जिला पंचायतों और जनपद में भी भाजपा समर्थितों का दबदबा बना हुआ है। इन चुनाव से पहले सरकार जिलों में कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के प्रदर्शन पर भी नजर बनाए हुए थी। चुनाव समाप्त होने के बाद कलेक्टर-एसपी के प्रदर्शन का आकलन भी सरकार कर रही है। वहीं चुनाव के बाद दुर्ग जिले में तीन तहसीलदारों को कामकाज की वजह से बदला गया है।

नए साल में हुए थे तीन बार फेरबदल- राज्य सरकार ने वर्ष 2025 में जनवरी से लेकर मार्च तक प्रशासनिक अधिकारियों की पदस्थापनाओं में आंशिक फेरबदल किया है। इस दौरान 7 आईएएस, 11 आईपीएस, राज्य प्रशासनिक सेवा के 60 अधिकारियों के साथ ही कुछ आईएफएस अधिकारियों के तबादले किए थे, लेकिन इसके बाद भी सरकार बड़े स्तर पर प्रशासनिक सर्जरी नहीं कर पाई थी। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो अब सरकार के पास इस बात के लिए पर्याप्त अवसर है कि वह जिलों की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव करे। बताया गया है कि कई जिलों से कलेक्टर और एसपी को बदला जाना है।

सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं पर फोकस- जिलों के कलेक्टरों की पदस्थापना में बदलाव के पीछे कारण ये है कि राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं पर क्रियान्वयन अच्छी तरह से हो। इसी क्रम में केंद्र सरकार की योजना का क्रियानव्यन और उसका लाभ आम लोगों को मिले इसके लिए बदलाव किया जाना है। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत करने के लिए कई जिलों में जहां आपराधिक घटनाएं अधिक हुई है वहां एसपी को बदला जाना है। इस बदलाव के साथ ये संभावना भी है कि मंत्रालय में पदस्थ कुछ सचिव स्तर के अधिकारियों के प्रभार में भी परिवर्तन किया जा सकता है।

नौकरी लगाने का झांसा देकर 5 करोड़ की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर | आरएनएस

रायपुर पुलिस में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी दीपेश नवरंग 21 वर्ष निवासी ग्राम गोइंदा जिला मुंगेली पर आरोप है कि उसने नौकरी लगाने का झांसा देकर 65 से अधिक बेरोजगारों से 5 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की।

प्रकरण की शुरुआत 29 जनवरी 2025 को प्रार्थी अंजना गहिरवार की शिकायत से हुई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि फरवरी 2021 में उनके परिवार के सदस्य देवेन्द्र जोशी और झगीता जोशी ने उन्हें सरकारी नौकरी दिलाने का वादा किया था। इसके बदले में उनसे 25-25 लाख रुपये लिए गए थे, लेकिन नौकरी नहीं लगाई गई। इस पर थाना सिविल लाइन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। अब तक इस मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें देवेन्द्र जोशी, झगीता जोशी, स्वप्निल दुबे, नफीज आलम, हलधर बेहरा, सोमेश दुबे और कपिल देशलहरे शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी दीपेश नवरंग और अन्य आरोपियों ने सरकारी विभागों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ठगी की।

रेलवे लाइन में लोहे का गर्डर रखने वाले आरोपी गिरफ्तार

भाटापारा (आरएनएस)। थाना भाटापारा ग्रामीण पुलिस द्वारा रेलवे लाइन में लोहे का गर्डर रखने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों द्वारा भाटापारा-अंबुजा रेलवे मार्ग पर रेलवे लाइन के लोहे का गर्डर डालकर रेलवे लाइन अवरोध किया गया था। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 14.03.2025 को रात्रि 01.40 बजे लगभग सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम अर्जुनी रेलवे फाटक के पास (एम.आर. एल.बी प्राइवेट साइडिंग किमी. 13/01-12/15 के मध्य भाटापारा से अंबुजा साइडिंग के मध्य) किसी अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा रेलवे लाइन के किनारे पड़े दो रेलवे लाइन लोहे के गर्डर को, जिनकी लंबाई 05 मीटर एवं 03 मीटर है, उठाकर रेलवे लाइन पटरी पर डाल दिया गया है, जिससे भाटापारा तरफ से आने वाली मालगाड़ी नंबर बीपीएल एमपी टकरा गई है। टकराने से रेलवे इंजन के कैटल गार्ड को नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट पर थाना भाटापारा ग्रामीण में धारा 126(2),324(4) बीएनएस, 150 रेलवे एक्ट का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। कि प्रकरण में थाना भाटापारा ग्रामीण पुलिस त्वरित कार्यवाही करते हुए 05 अपचारी बालकों सहित कुल 08 आरोपियों को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा भाटापारा-अंबुजा रेलवे मार्ग पर लोहे का गर्डर डालकर रेलवे लाइन को अवरोध करना स्वीकार किया गया। की प्रकरण में सभी आरोपियों को आज दिनांक 22.03.2025 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। मामले में पुलिस ने ईश्वर चक्रधारी उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम अर्जुनी, लालू यादव उम्र 19 साल, निवासी अर्जुनी, सुरेंद्र यादव उम्र 18 वर्ष निवासी अर्जुनी तथा एक नाबालिग बालक को गिरफ्तार किया है।

रेस्क्यू किए गए बारासिंघा की एकाएक स्थिति बिगड़ने से हो गई मौत

कोरबा | आरएनएस

एनटीपीसी की जमनीपाली स्थित कालोनी से रेस्क्यू किए गए वन्य प्राणी बारासिंघा की मौत हो गई है। जिससे वन विभाग में हडकप मच गया है।

जानकारी के अनुसार एक बारासिंघा जंगल से भटक कर एनटीपीसी कालोनी में घुस गया। आवासीय परिसर में बारासिंघा देखे जाने की सूचना कालोनी वासियों द्वारा कटघोरा वन मंडल के अधिकारियों को दी गई। जिस पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बारासिंघा का लोकेशन ढुढ़ते रहे काफी देर बाद यह

चितल कालोनी स्थित एनटीपीसी से विभागीय अस्पताल परिसर में दिखाई दिया। जिस पर रेस्क्यू के लिए पहुंची। वन विभाग की टीम ने इसे एनटीपीसी के सुरक्षा बलो, पुलिस एवं स्थानीय लोगों की मदद से घेरा बंदी कर सफल रेस्क्यू करने के साथ पकड़ लिया वन विभाग द्वारा पकड़े जाने के बाद इसे जंगल में छोडने की तैयारी की जा रही थी।

इसी दौरान उसकी एकाएका स्थिति बिगड़ी और बारासिंघा ने दम तोड़ दिया। बारासिंघा के दम तोड़ते ही वन विभाग की टीम के होश उड़ गए। आनन फानन में इसकी सूचना डीएफओ कटघोरा सहित वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। जिस पर वे मौके पर पहुंचे और वस्तुस्थिति की जानकारी लेने के बाद पंचनामे की कार्रवाई बारासिंघा कहां से और कैसे पहुंचा। पता लगाया जा रहा है। डीएफओ कुमार निशात ने बताया कि पकड़ा गया वन्य प्राणी बारासिंघा नहीं चीतल था उसकी मौत हो गई है।उसके शरीर का चोट के निशान मिले है। संभवत: व किसी अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल हो गया था। जिससे स्थिति काफी नाजुक थी। वन विभाग में उपचार कराया लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नही आए। चीतल की मौत के बाद अब उसका पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। इसकी औपचारिकता पूरी होने के बाद मृत चीतल का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

ज्ञात रहे कटघोरा वन मंडल के जंगलो में चीतल, बाहरसिंघा व हिरण की भरमार है। जो अक्सर पाली रेंज के जंगलो में दिखाई देते है बरसात व ठंड के मौसम में ये जंगल ही जंगल घूमते रहे है। लेकिन गर्मी शुरू होते ही पानी की तलाश में गांव में पहुंच जाते है। जिसकी वजह से सडक पार करते समय दुर्घटना का शिकार हो जाते है। या कई बार आवारा कुत्तों के हमले से उनकी जान पर आफत आ जाती है।

खदान हादसे में कर्मी की मौत पर एक करोड़ की मुआवजा

❐ ठेका मजदूरों के आश्रितों को 40 लाख की राहत, बीएमएस की बैठक में उपलब्धियों पर चर्चा

कोरबा | आरएनएस

भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन बिलासपुर द्वारा प्रगति नगर दीपका स्थित दुर्गा पंडाल में कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कोयला उद्योग प्रभारी लक्ष्मा रेड्डी और महामंत्री सुजीत सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान रेड्डी ने मजदूर हितों के लिए संगठन की उपलब्धियों और आगामी रणनीतियों को लेकर विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान लक्ष्मा रेड्डी ने कहा कि अन्य यूनियन की तरह बीएमएस भी मजदूरों के हितों के लिए संघर्षरत है। उन्होंने बताया कि,11वें वेतन समझौते में बीएमएस ने दो साल की कड़ी लड़ाई के बाद 19 प्रतिशत वेतन वृद्धि सुनिश्चित कराई।कोरोना काल में हुई मौत के मामलों में 15 लाख रुपये मुआवजा राशि दिलाने में बीएमएस ने अहम भूमिका निभाई। खदान दुर्घटनाओं में मृत्यु होने पर 1 करोड़ रुपये मुआवजा तथा ठेका मजदूरों को 40 लाख रुपये का भुगतान स्वीकृत कराया गया।बीमा योजना में कर्मचारी के खाते से कोई राशि न काटने का प्रावधान बीएमएस ने लागू कराया। जनरल मजदूर पद हटाकर जनरल असिस्टेंट पद लागू कराने में भी संगठन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लक्ष्मा रेड्डी ने बताया कि कोल इंडिया में 17 लाख से अधिक महिला कर्मचारी कार्यरत हैं। उनकी समस्याओं के समाधान के लिए महिला विंग के साथ विशेष चर्चा की जाएगी। बैठक में रेड्डी ने कहा कि कोल इंडिया में वर्दी का प्रावधान नहीं था, लेकिन बीएमएस के दबाव के बाद प्रबंधन ने वर्दी और जूते उपलब्ध कराने पर सहमति व्यक्त की है। रेड्डी ने कोल इंडिया में हुए 900 करोड़ रुपये के सीएमपीएफ घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि बीएमएस संगठन ने इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। रेड्डी ने कहा कि कोल इंडिया के निजीकरण को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की जा रही है। इसे मजदूरों के हितों के लिए एक गंभीर खतरा बताया।

उन्होंने कहा कि संगठन इसके खिलाफ लगातार संघर्षरत रहेगा। इस बैठक में बड़ी संख्या में मजदूर उपस्थित रहे। बीएमएस ने अपने संघर्षों और उपलब्धियों के माध्यम से मजदूरों का भरोसा जीतने का प्रयास किया और भविष्य में भी उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

नकबजनी के पांच प्रकरणों में तीन आरोपी गिरफ्तार

❐ आरोपियों द्वारा लगातार थाना क्षेत्र में कर रहे थे सेंधमारी।

रायपुर | आरएनएस

रायपुर की खमतराई पुलिस ने थानाक्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से चोरी तथा नकबजनी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी संदीप देशकर द्वारा थाना खमतराई में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि दिनांक 14.11.2024 के 01.00 बजे रात्रि में उनके गोंदवारा रायपुर में रखे लोहे का प्लेट के टुकडे, सरिया के टुकडे, एंगल, गाटर के टुकड़ा किमती करीबन 20,000 रूपये को कोई अज्ञात चोर दिवाल फ ांद कर चोरी करने की सूचना पर धारा-331(4) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया, विवेचना दौरान मुखबीर सूचना प्राप्त हुआ कि 02 व्यक्ति लोहे का प्लेट के टुकड़े, सरिया के टुकड़े, एंगल को चोरी कर उक्त समान को कबाड़ी में बेचे है जिसपर संदेही/आरोपी मनीष उपराड़े एवं बबलू गाडा से गहनता से पूछताछ एवं मेमोरेण्डम कथन लेने चोरी किये मशरूका लोहे का प्लेट के टुकडे, सरिया के टुकडे, एंगल, गाटर के टुकडा किमती करीबन 20,000 रूपये कबाड़ी शिवफुल यादव को बेचना बताये, जिसपर कबाडी शिवफुल यादव से उक्त समान कीमती 20,000 रू. को जप्त कर प्रकरण में सुमार वजाप्ता कर प्रकरण में धारा 305,317 (2),3 (5) बीएनएस जोडक़र आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया। उक्त प्रकरण के आरोपियो द्वारा खमतराई थाना क्षेत्र में दिनांक 29.01.25 के 19.30 बजे से 30.01.25 के 9.00 बजे के मध्य बंसत विहार कालोनी गोदवारा के निर्माणधीन मकान से कापर पाईप एवं इलेक्ट्रानिक केनल किमती 15000 रू चोरी करना बताये उक्त घटना के संबंध में प्रार्थी योगेश कुमार कटरे द्वारा थाना खमतराई में अपराध कमांक 29/25 धारा 331 (4), 305 बीएनएस दर्ज कराया है।

इसी प्रकार दिनांक 17.02.25 के 13.00 बजे से 18.02.25 के 10.40 बजे के मध्य दुर्गा ट्रांसपोर्ट गोदाम शीतला पारा उरकुरा का ताला तोडक़र नट बोल्ट और पीतल का स्टर्ड राड 15 नग कि. 10000 रू को चोरी करना बताये उक्त घटना के संबंध में प्रार्थी संतोष भानुका द्वारा थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 129/25 धारा 331 (4), 305 बीएनएस दर्ज कराया है।

इसी प्रकार दिनांक 22.2.25 के 20.00 बजे से 23.2.25 के 7.00 बजे के मध्य पेंट इन्डस्ट्रीज उरकुरा का ताला तोडक़र अंदर रखे एल्युमिनम के गोल्ड 08 नग होल्डर 30 नग व प्लेट 04 नग कि. 40000 रू को चोरी करना बताये उक्त घटना के संबंध में प्रार्थी रॉकी पांडे द्वारा थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 239/25 धारा 331(4), 305 बीएनएस दर्ज कराया है।

साथ ही आरोपीगणों द्वारा दिनांक 08.03.2025 के 18.30 बजे से 10.03.2025 के 11.00 बजे के मध्य सराक ब्रदर्स गोदाम यातायात थाना के पीछे भनपुरी में कोई अज्ञात चोर ताला तोडक़र अंदर रखे एल्युमिनियम स्टीक, नट बोल्ट, कॉपर रॉड, रबर वायर एवं अन्य सामान कीमती करीबन 40,000 रू को चोरी करना बताये उक्त घटना के संबंध में प्रार्थी अमित श्रीवास द्वारा थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 265/25 धारा 331(4), 305 बीएनएस दर्ज कराया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गर्वनिंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU